अना भी...

एक चित्रकथा
गोंडी भाषा में

चित्र एवं कहानी - वी सुतेयेव

एकलव्य

अना भी...
मैं भी... (गोंडी)
MAI BHEE... (GONDI)
स्टोरीज़ एण्ड पिक्चर्स की एक चित्रकथा प्रगति प्रकाशन, मॉस्को के सौजन्य से प्रकाशित।
चित्र और कहानी: वी सुतेयेव

हिन्दी से गोंडी अनुवाद: उर्मिला तेकाम, अमरवती धुर्वे
संयोजन: आकाश मालवीय, अशोक हनोते, हेमराज मालवीय, खेमप्रकाश यादव, निदेश सोनी, राजेन्द्र देशमुख, सुनील हनोते
सम्पादकीय व उत्पादन सहयोग: अपूर्वा राजे, इन्दु श्रीकुमार व कमलेश यादव

एचटी पारेख फाउंडेशन के वित्तीय सहयोग से विकसित
यह किफायती संस्करण अँग्रेज़ी, हिन्दी व कोरकू में भी उपलब्ध है।

पहला संस्करण: मार्च 2023/8000 प्रतियाँ
कागज़: 100 gsm मेपलिथो पर प्रकाशित
ISBN: 978-93-94552-57-9
मूल्य: ₹12.00

प्रकाशक: एकलव्य फाउंडेशन
जमनालाल बजाज परिसर,
जाटखेड़ी, भोपाल – 462 026 (मप्र)
फोन: +91 755 – 297 7770, 71, 72
www.eklavya.in/books@eklavya.in

मुद्रक: आर के सिक्युप्रिंट प्रा लि, भोपाल फोन: +91 755 – 2687 589

उंदी मेस तल बत्तख ता छव्वाल पसीत।

“इंगा अना मेस तल पसीतान,” बत्तख ता छव्वाल ईत्तू।

उंदी उन्डे मेस तल कौर दा चिवाल पसीत।

“अना भी वासेतन,” चिवाल ईत्तू।

“अना वलताले हन्तोना,” बत्तख ता छव्वाल ईत्तू।

“अना भी वायका,” चिवाल ईत्तू।

“अना गड्ढा खोदीतोना,” बत्तख ता छव्वाल ईत्तू।

“अना भी खोदका,” चिवाल ईत्तू।

“नाकुन उंदी नरवांज पुटतु,” बत्तख ता छव्वाल ईत्तू।

“नाकुन भी,” चिवाल ईत्तू।

“अना ननीताना चाहे मायतोना,” बत्तख ता छव्वाल ईत्तू।

“अना भी,” चिवाल ईत्तू।

“बचीकीम...,” चिवाल मुड़ूंग सोकर चिल्लेमात।

बत्तख ता छव्वाल चिवान ऐर तल बहारो टन्डतु।

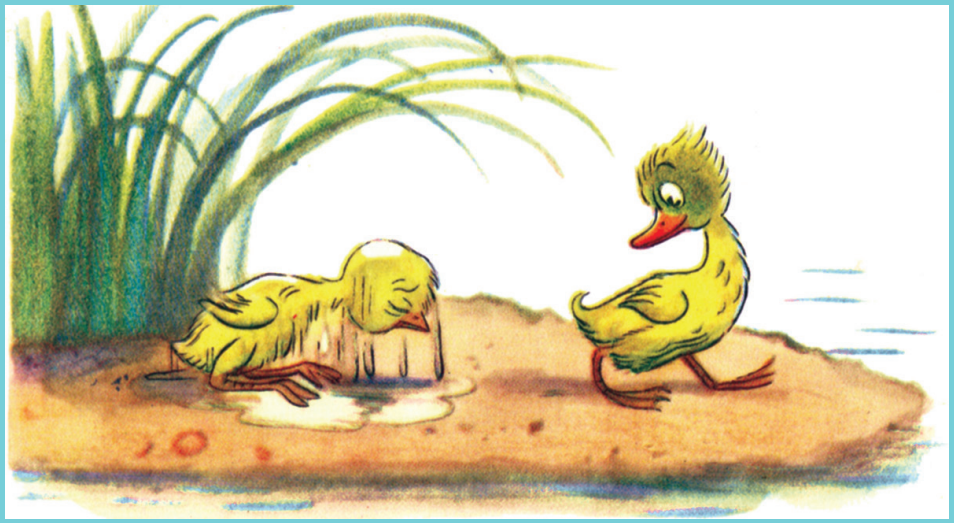

"अना फिरतल ऐते हन्तोना," बत्तख ता छव्वाल ईत्तू।

"इंगा अना अल्ले," चिवाल ईतु।

मध्य प्रदेश में बैतूल क्षेत्र में बोली जाने वाली
गोंडी भाषा पर आधारित

H T Parekh FOUNDATION | An Initiative by HDFC WITH YOU, RIGHT THROUGH

एकलव्य

मूल्य: ₹ 12.00
ISBN: 978-93-94552-57-9